REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 7 | APRIL - 2019

डॉ.बाबासाहब भीमराव आँबेडकर : जीवन एक अभ्यास

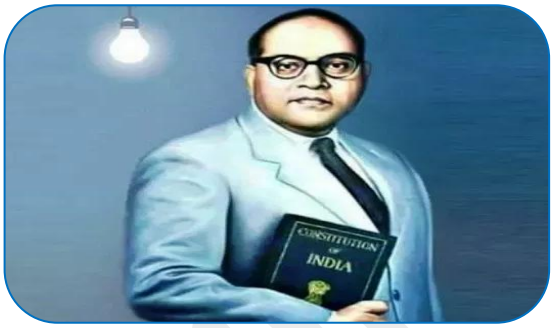

डा.शंकर वि. पटेल
आसि.प्रोफसर, श्री आदर्श आर्टस कोलेज,
दियोदर (गुजरात)

❊ सारांश :

डॉ.आंबेडकर का जीवन संघर्ष का प्रतीक है। वह अनन्य कोटि के नेता थे, जिन्होने अपना पूरा जीवन दबे हुए, कचडे गए, नीचली कक्षा के लोगो का कल्याण करने में लगा दिया। खास कर के भारत के ज्यादातर दलित आर्थिक और सामाजिक रुप से शोषित थे। उनको इस अभिशाप से मुक्त करने का डॉ.अंबेडकर क जीवन का मूल मंत्र था।

❊ बचपन और प्रारंभिक जीवन :

भीमराव आँबेडकर का जन्म १४ अप्रिल, १८९१ के रोज मोव आर्मी केन्टोन्टमेन्ट में हुआ था। १४ अप्रिल, १८९१ में महु में सूबेदार रामजी शंकपाल और भीमाबाई की चौदवीं संतान के रुप में डॉ.भीमराव आँबेडकर का जन्म हुआ था। उनके व्यकितत्व में स्मरण शक्ति की प्रखरता, बुध्धिमान, इमानदारी, सत्यता, नियमितता, द्रढता, प्रचंड संग्रामी स्वभाव का मणिकांचन मेल था। संजोगवश भीमराव सतारा गाम के एक ब्राह्मण शिक्षक को बहुत पसंद आये। वह अत्याचार और लांचन के तीव्र धूप में बादल के टूकडे की तरह भीम के लिए माँ के पालव की छाया बन गये। बाबा साहब ने कहा - वर्गहीन समाज रचने से पहले समाज को जातिविहिन करना पडेगा। समाजवाद के बगेर दलित-महेनती इन्सोनी आर्थिक मुक्ति शक्य नहीं।

❊ शिक्षण :

उन्होने १९०८ में अेलफिन्स्टोन हाइस्कूल में से मेट्रिक पास किया। १९०८ में, आंबेडकर को अेल्फिन्स्टोन कोलेज में पढ़ने की तक मिली और बोम्बे युनिवर्सिटी में से १९१२ में अर्थशास्त्र और राजकीय विज्ञान में स्नातक की पदवी प्राप्त की। परीक्षायें पास करने के अलावा भी वडोदरा के गायकवाड शासक के पास से २५ रुपये की एक शिष्यवृत्ति भी प्राप्त की । आंबेडकर ने यु.एस.ए. में उच्च अभ्यास के लिए पैसों का उपयोग करने का ठान लिया। उन्होने अर्थशास्त्र का अभ्यास करने के लिए न्युयोर्क सीटी में कोलंबिया युनिवर्सिटी में प्रवेश किया। उन्होने जून १९१५ में 'एन्सीअन्ट इन्डियन कोमर्स' नामक उनके थीसीस को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद उन्होने मास्टर डिग्री पूरी की। १९१६ में, उन्होने लंडन स्कूल ओफ इकोनोमिक्स में प्रवेश लिया और 'डॉक्टरल थिसीस' नामक 'ध प्रोपर्टी ओफ ध रीपी : उनके मूल और उनके उकेल' पर काम करने का शुरु किया। मुंबई के भूतपूर्व गवर्नर लोर्ड सिडेनहाम की मदद से, बोम्बे में सिडेनहेम कोलेज ओफ कोमर्स अेन्ड इकोनोमिक्स में आंबेडकर राजकीय अर्थतंत्र के अध्यापक बने थे। आगे का अभ्यास जारी रखने के लिए, वह अपने पैसे से १९२० में इंग्लेन्ड गय थे। वहाँ उन्होने युनिवर्सिटी द्वारा डी.एससी. अर्थशास्त्र का अभ्यास करने के लिए ब्रोन, जर्मनी की युनिवर्सिटी ओफ खाते थोडे माह तक खर्च किया था। उन्होने १९२७ में अर्थशास्त्र में पी.एचडी. की डिग्री प्राप्त की थी। ८ जून १९२७ के रोज उनको युनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया द्वारा डोक्टरेट अेनायत कीया था।

❊ राजकीय कारकिर्दी :

वडोदरा के महाराजा सयाजराव गायकवाड ने भीमराव आंबेडकर को मेघावी विद्यार्थी के नाते शिष्यवृत्ति देकर १९१३ में उनको विदेश में उच्च शिक्षण प्राप्त करने के लिए भेज दिया। अमेरिका में कोलंबिया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, दर्शन और अर्थ नीति का गहरा अभ्यास साहब ने किया था। वहाँ भारतीय समाज का अभिशाप और जन्मसूत्र से मिलती अस्पृश्यता न थी। इसीलिए उनको अमरिका में एक नयी दुनिया के दर्शन हुए। डॉ.आंबेडकरने अमरिका में एक समिनार में 'भारतीय जाति विभाजन' पर अपना प्रख्यात शोध-पत्र पढा। जिसमें उनके व्यक्तित्व की चारों ओर से प्रशंसा हुई।

डॉ.आंबेडकर की आवाज गुंज़ उठी। समाज को श्रेणीविहीन और वर्णविहीन करना पडेगा क्योंकि श्रेणीने इन्सान को गरीब और वर्ण ने इन्सान को दलित बना दिया। जिसके पास कुछ नहीं ऐसे लोगो को गरीब मानते है और जो कुछ नहीं वह दलित समझते है। बाबा साहब ने संघर्ष का ब्युगल बजाकर आह्वान किया। छीना हुआ अधिकार भीख में नहीं मिलते, अधिकार वसूल करने के होते है। उन्होने कहा कि 'हिन्दुत्व की गौरव बढानेवाले वशिष्ठ जेसे ब्राह्मण, राम जेसे क्षत्रिय, हर्ष जेसे वैश्य और तुकाराम जेसे शुद्र लोगो ने अपनी साधना का प्रतिफल जोडा है। उनका हिन्दुत्व दिवालो के बीच बंध नहीं लेकिन ग्रहिष्णु, सहिष्णु और चलिष्णु है।

डॉ.आंबेडकर के अलावा भारतीय संविधान की रचना क लिए कोई दूसरा विशेषण भारत में न था। इसीलिए सबकी सम्मति से डॉ.आंबेडकर को संविधान सभा की प्रारुपण समिति के अध्यक्ष के लिए पसंद किया गया।

समता, समानता और स्वतंत्रता के लिए पूरा जीवन झझूमनार बाबासाहब के नाम से प्रसिद्ध भारतीय बंधारण को घडनार, अर्थभाषा आर कायदे के प्रकांड पंडित, प्रखर देशभक्त, अस्पृश्य और महिलाओ के मुक्तिदाता, भारतरत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर का जन्म १४ अप्रैल, १८९१ को मध्यप्रदेश की महुकी लश्करी छावणी में हुआ था। रामजी शकपाल और भीमाबाइ के १४वें संतान में जन्मे हुए भीमराव बचपन से हो अस्पृश्यता के लिये अपमान और अवमानना के भोग बनते रहे थे। पूरे विश्व में अनेक प्रकार की हिंसक, अहिंसक, क्रांतियाँ तथा मानवीय हको के लिए लडाइयाँ और सत्याग्रह हुए है। सत्ता परिवर्तन, विचार परिवर्तन तथा आझादी के लिए आंदोलन और क्रांतियाँ हुई है, लेकिन भारत जेसे देश में पीने के पानी के लिए या पशु पक्षीयों को भी सरलता से मील शके उसके लिए डॉ.बाबासाहब ने सत्याग्रह किये थे। बाबासाहब स्त्री को समाज की आभुषण मानते थे। उनके मत अनुसार कोई भी समाज का उत्थान और पतन की पाराशीशी उस समाज की नारी उत्थान तय कर शकते है, इसीलिए उन्होने भारतीय समाज व्यवस्था में स्त्रीयों की जो पशुवत दशा देखी, अनुभव किया उस से द्रवित होकर उनकी मुक्ति के लिए आजीवन लडत चलाते रहे। इतना ही नहीं बंधारणीय कायदे द्वारा भी स्त्रीओ को रक्षण देकर स्त्रीओं की मुक्ति के लिये समानता और स्वतंत्रता के लिए हिन्दु कोड बिल की रचना की। भारतम में महिला मुक्ति के मशालची महात्मा ज्योतिराव फ्ले के अनुयायी ऐसे डॉ.आंबेडकर भी नारीमुक्ति के प्रखर हिमायती बन रहे थे।

अपनी स्वास्थ्य की परवा करे बगेर रात-दिन देखे बगेर प्रबल परिश्रम करके तैयार किये हुए हिन्दु कोड बिल का करुण रंकास हुआ। हिन्दु समाज को एक संहिता से मिलाने का उनका सपना अधूरा रह गया। हिन्दु कोड बिल के पीछेहठ से बाबासाहब खूब व्यथित हुए और नारी मुक्ति के यज्ञ में अपने प्रधानपद की आहूति दे दी।

डॉ.आंबेडर का लक्ष्य था - 'सामाजिक असमानता दूर करके दलितो के मानवअधिकार की प्रतिष्ठा करनी।'

❊ आंबेडकर के जीवन आधारीत फिल्में :

- बालवराज कस्तुर द्वारा दिग्दर्शित १९९१ की कन्नड फिल्म, बालक आंबेडकर
- बोल्ड इन्डिया जय भीम, २०१६ सुबोध नगरदवे द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म
- डॉ.बाबासाहब आंबेडकर (फिल्म), २००० अंग्रेजी फिल्म जब्बार पटेल द्वारा निर्देशित
- डॉ.बी.आर.आंबेडकर (फिल्म), २००५ की कन्नड फिल्म शरणकुमार कबाबरे निर्देशित
- युगपुरुष डॉ.बाबासाहब आंबेडकर, १९९३ में शशिकांत नलवाडे द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म
- भीम गर्जना, १९९० में विजय पावर द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म
- रमाबाइ (फिल्म), एम.रंगनाथ द्वारा निर्देशित एक २०१६ कन्नड फिल्म
- रमाबाइ भीमराव आंबेडकर (फिल्म), २०११ में प्रकाश जाधव द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म

- अे.अ.जर्नी ओफ समाक बुद्ध, एक २०१३ हिन्दी फिल्म डॉ.आंबेडकर की पुस्तक, ध बुद्ध और उनके धम्मा और नौयान बुद्धवाद पर आधारित

❊ संदर्भ :

१. https://gu.wikipedia.org
२. राजन, भारत के बंधारण को घडनार, डॉ.बाबासाहब भीमराव आंबेडकर, २०११
३. आहिर, डी.सी., डॉ.आंबेडर का वारसा, बी.आर.पब्लिशींग, दिल्ही
४. गौतम, सी. बाबासाहब आंबेडकर का जीवन, आंबेडकर मेमोरियल ट्रस्ट, २०००
५. जोफलटोट, क्रिस्टोफ, डॉ.आंबेडकर और अस्पृश्यता : ज्ञाति का विश्लेषण और लडाई लंडन : सी.हर्स्ट अेन्ड कंपनी पब्लिशर्स, २००५
६. 'डॉ.आंबेडकर' दलित मानव अधिकार पर राष्ट्रीय झुबेश, ८ ओक्टूबर, २०१२

डा.शंकर वि. पटेल
आसि.प्रोफसर, श्री आदर्श आर्टस कोलेज, दियोदर (गुजरात)

LBP PUBLICATION